परिशिष्ट सारणी V.11: राज्य सहकारी कृषि और ग्रामीण विकास बैंक के मुख्य वित्तीय संकेतक- राज्यवार

(मार्च के अंत में)

(राशि ₹ लाख में)

क्रम सं.	क्षेत्र / राज्य	शाखाएं	लाभ/हानि		ऋण की तुलना में एनपीए अनुपात(प्रतिशत)		वसूली अनुपात(प्रतिशत)* (जून के अंत तक)	
		2019	2018	2019पी	2018	2019पी	2017	2018
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	उत्तरी क्षेत्र							
1	हरियाणा @	19	-3,188	-7,638	83.1	83.5	18.7	10.7
2	हिमाचल प्रदेश #	51	127	23	23.8	25.5	52.4	47.6
3	जम्मू और कश्मीर*	51	-693	-1,193	20.2	27.0	46.2	30.4
4	पंजाब @	89	829	120	11.2	17.1	61.3	67.8
5	राजस्थान @	7	-4,392	4,420	44.2	44.2	25.9	38.4
	उत्तर पूर्वी क्षेत्र							
6	असम*	-	-	-	-	-	-	-
7	त्रिपुरा*	5	20	-12	47.0	99.0	18.3	40.5
	पूर्वी क्षेत्र							
8	बिहार*	-	-	-	-	-	-	-
9	ओडिशा@	-	-	-	-	-	-	-
10	पश्चिम बंगाल #	2	244	323	23.3	23.9	40.6	41.3
	मध्य क्षेत्र							
11	छत्तीसगढ़@	-	-	-	-	-	-	-
12	मध्य प्रदेश@	-	-	-	-	-	-	-
13	उत्तर प्रदेश *	323	192	-8,451	44.1	38.4	30.5	25.3
	पश्चिम क्षेत्र							
14	गुजरात*	176	2,100	2,102	55.0	54.8	37.1	32.7
15	महाराष्ट्र@	-	-	-	-	-	-	-
	दक्षिणी क्षेत्र							
16	कर्नाटक@	25	69	76	22.7	29.3	36.8	32.6
17	केरल @	14	2,753	2,566	0.5	2.2	99.0	95.4
18	पुदुचेरी*	1	-42	-44	2.6	8.4	-	93.0
19	तमिलनाडु@	26	1,044	2,762	18.9	15.7	-	85.6
	अखिल भारतीय	**789**	**-937**	**-4,946**	**25.0**	**26.5**	**48.4**	**46.1**

@: फेडरल संरचना #: मिश्रित संरचना *: एकल संरचना -: लागू नहीं.

टिप्पणी: 1. पूर्णांकन के कारण घटकों का जोड़ कुल से भिन्न हो सकता है।

2. वर्ष 2014-15 के दौरान छत्तीसगढ़ में अल्प-कालिक सहकारी ऋण संरचना को दीर्घ-कालिक के साथ सम्मिलित किया गया था। उसी प्रकार, असम, बिहार, ओडिशा, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में एससीएआरडीबी अब कार्यात्मक नहीं है।

3. * वित्तीय वर्ष के लिए वसूली 30 जून तक ली गई है।

स्रोत: नाबार्ड.